



Nishant



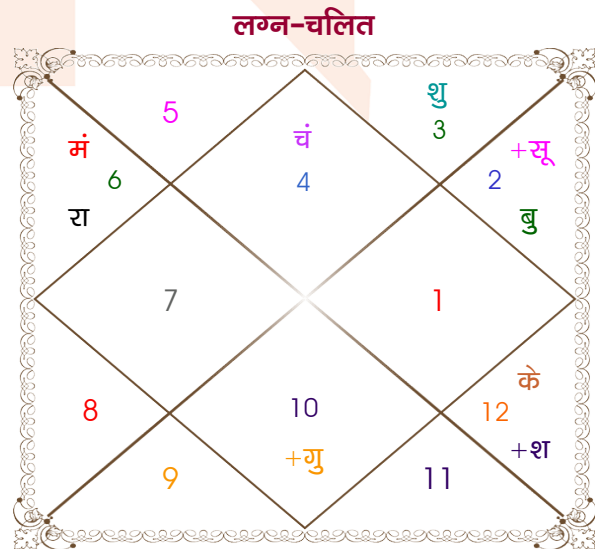
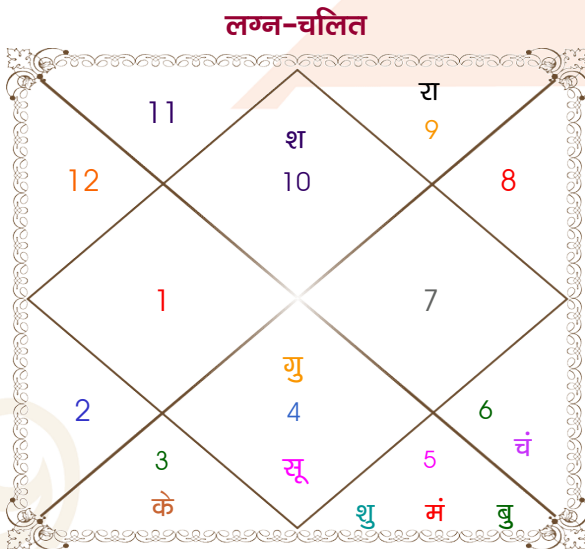
Dr priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121696507

पुल्लिंग :	लिंग	स्त्रीलिंग
13/08/1991 :	जन्म तिथि	09/06/1997
मंगलवार :	दिन	सोमवार
घंटे 17:50:00 :	जन्म समय	08:26:00 घंटे
घटी 31:18:04 :	जन्म समय(घटी)	08:47:27 घटी
India :	देश	India
Pusa :	स्थान	Nawada
25:59:00 उत्तर :	अक्षांश	24:54:00 उत्तर
85:40:00 पूर्व :	रेखांश	85:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:12:40 :	स्थानिक संस्कार	00:12:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:46 :	सूर्योदय	04:57:49
18:25:19 :	सूर्यास्त	18:36:19
23:44:41 :	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:15

विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 3मा 14दि गुरु 27/11/2024 27/11/2040	अंश 17:03:20 26:31:17 12:16:45 24:18:11 10:48:16 29:48:04 10:45:30 08:29:40 24:48:20 24:48:20 16:37:50 20:43:40 23:53:14	राशि मक कर्क कन्या सिंह सिंह व कर्क सिंह व मक व धनु व मिथु व धनु व धनु व तुला	ग्रह लग्न सूर्य चंद्र मंगल बुध गुरु शुक्र शनि राहु व केतु व हर्ष व नेप व प्लूटो व	राशि कर्क वृष कर्क कन्या वृष मक मिथु मीन कन्या मीन मक मक वृश्चि	अंश 10:14:56 24:30:17 09:44:38 02:00:04 06:26:08 28:07:07 12:13:27 24:12:36 00:47:01 00:47:01 14:33:53 05:45:55 10:00:43	विंशोत्तरी शनि 9वर्ष 10मा 11दि केतु 20/04/2024 21/04/2031	केतु 16/09/2024 शुक्र 17/11/2025 सूर्य 24/03/2026 चन्द्र 23/10/2026 मंगल 22/03/2027 राहु 08/04/2028 गुरु 15/03/2029 शनि 24/04/2030 बुध 21/04/2031
--	--	---	---	---	--	--	---



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Nishant का वर्ग मूषक है तथा Dr priya का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Nishant और Dr priya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Nishant मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Dr priya मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Dr priya की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nishant तथा Dr priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

